इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळें.

—: हस्त [illegible] संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ५[illegible] १३५(१३४)

ग्रंथ नाम स्व[illegible]पाक.

विषय मराठी काव्य.

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. " Joint project of the

४३ पानं ग्रं श्री ११२

(1) ॥अथ यात्रिपा[illegible]॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

श्रीगणेशायनमः ॥ तिर्थवासि ब्राह्मण मला ॥ तिर्थकरित द्वारकेसि आ
ला ॥ नेनेत्र तांत निवदिला ॥ विस्य जिवना जवळिके ॥ १ ॥ पंचवटेशि [illegible]
निकटि ॥ वासकरुणि सुखसंतुष्टि ॥ [illegible] लागो निकिरटि ॥ धर्मा भेटि
पातला ॥ २ ॥ ऐके कोनि अल्हादपु[illegible] ॥ पार्थभेटिचा अपार प्रेमा
सवे घेवोनि सत्यभामा ॥ द्वारके[illegible] तिला ॥ ३ ॥ काम्यकवना पात
लामकुंदु ॥ सन्मुख पाल[illegible] चालिले ॥ धु ॥ क्षमा किंगणि परमानंदु ॥
ब्रह्माउघेटि न समाये ॥ ४ ॥ सत्यभामा आनि द्रौपदि ॥ [illegible] मिनल्या
प्रिति मिनल्या सुख संवादि ॥ जै स्त्रियांचा विआणिका ळिंदि ॥ ये क्य ये

का

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(3)

तिसमरसे ॥ ५ ॥ रुषिरंहे वंदो निमा कि ॥ वैसकाकेलिरक्षा । तकि ॥ मा

कीउपालेचका कि ॥ गगनमार्गेपातला ॥ ६ ॥ तेथेदेवरुषिनारद ॥ प्रग

टला आवेत हृद ॥ तेथेनापत्रपा ... ॥ पांडवाचेपरिहारेल ॥ ८

मांकीउरुशिन्यासमरथा ॥ ... लाकुरुनरेशा ॥ आयुष्य

सरतानपुरेआशा ॥ केंचिपुढिल ... चि ॥ ८ ॥ यालागिसंक्षेप केला

येथें ॥ पथुवणराजाचरित ॥ सरस्वतिचाकृत ॥ संवादवदला रामे

सि ॥ ९ ॥ मछोपाख्यान इंद्रदुन्मैं म्न ॥ धुंधुमारिचरित गहन ॥

पतिव्रतेचे महिमान ॥ आंगिरससियापाठि ॥ १० ॥ द्रौपदिसभा

१

(3A)

मासंवाद ॥ सरलियाद्वारके गोविंद ॥ जाताजाहला लो विणाद ॥ नि
रापिनभक्त ॥ ११ ॥ द्वारके गेलियापुरुशोत्तम ॥ रुक्मिणीसहितराजा
धर्म ॥ अद्वैतवनापानरूपरम ॥ ॥ वनंताशासवति ॥ १२ ॥ अद्वैत
वनामाजिअसता ॥ कापके ॥ लिकथा ॥ जन्मेजयाधरति
नाथा ॥ वैशंपायन निरोपि ॥ दुर्योधन हस्तनापुरि ॥ राज्य
करितासहपरिवारि ॥ गर्वलण आपुलिसरि ॥ शक्रतो हिठंग
णा ॥ १४ ॥ क्षणेसंसारिजन्माव ॥ जन्मानि पांउवा एसेह्मावे ॥ प्रा
तःकाळिनामघ्यावे ॥ पवित्राचेपवित्रि ॥ १५ ॥ उत्तमपुरुशिह्मावे ॥

(५)

केसे ॥ पांउव घर्मरा याऐसे ॥ आरण्यवासा माजि शउरसे । ळक्ष ब्रा
ह्मण प्रतिपाळि ॥ १६ ॥ सुम्नाल दिजाचि यापंक्ति । रछा भोजन निर
तर होति । लोकेत्तर निषदें शिक्कि [illegible] रासि घालित याचे ॥ १७ ॥
एको निदुर्योधना मणि । विशा [illegible] फळ कोधाग्नि । जेसे धासा
धुचि येस्तवनि ॥ संताप निदु [illegible] ॥ १८ ॥ राम स्तवनि दशानन ।
कृष्ण स्तवनि मागधजाण । हरिस्मरणि ध्यावया प्राण । हिरण्यक ॥ २
श्यपञ्यापति ॥ १९ ॥ ते वितो क्षोभ लादुर्जी । ह्मण पांडवांचा पाडु के ण
वण ॥ तव ते पेअत्रिचा नंदन । दुर्वासि रुसि पातला ॥ २० ॥ असे

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "Joint project of the

(६A)

स्यानसिंध्यासहित ॥ मुनिपातला अकस्मात ॥ तेदेखोनि दुर्यो
धनलेथ ॥ स्वार्थकाहिकल्पिला ॥ २१ ॥ तो महंतदेखोनि नयनि ॥
विनयमस्तक ठेविले चरणि ॥ बै[illegible]कनकासनि ॥ सर्वेपिचा
रेपुजिला ॥ २२ ॥ रुषिबोलसम[illegible] ॥ कालिकाळतुमचेघरि ॥ क
र्माविाऐसामजभेनरि ॥ आ[illegible] जेअपार ॥ २३ ॥ भवस्पलण
कौरवनृपति ॥ उभाठेलाजोडउल्पाहस्ति ॥ म्हणे स्वामिकृपामुर्ति
सनाथकेलेपाहिजे ॥ २४ ॥ रत्नागारदेवानिवस्ति ॥ स्यामाजिभरल्या
सर्वसंपत्ति ॥ जोजापदार्थ इच्छिजेचित्ति ॥ तोलापुढे स्वनसिद्ध ॥ २५

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

अवकाशाने दिनाल गबेग ॥ नाहिंतेचि अकाळिमाग ॥ सिद्धकरुनि
आनिल्याने घ ॥ लासांउ विचौ हाटा ॥ २६ ॥ शुद्ध कैलि जाहलि निद्रा
पण ॥ अर्धरात्रिमागे अन्न ॥ स[illegible]वि याउ ह्माउह्म ॥ सक्षमा
उसर्वहि ॥ २७ ॥ रस शारवाधान[illegible] ॥ स्तुविन मागेउना विळे ॥
विलंब होना प्रकपानके ॥ नवि[illegible]यउडि ॥ २८ ॥ निशाकाळि
च्या रिप्र हर ॥ जोउ नियादा [illegible] भारा हे मज समोर ॥ दुर्यो
धना आज्ञाप्ति ॥ २९ ॥ लागलियापा तयापाते ॥ भासाका पटाउका ॥ ३
तुते येरमुनिष्यकेचिन्ने ॥ सर्व सवितिष्ठत ॥ ३० ॥ स्नानपानाला

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

गिविमळ ॥ आपुले स्तिरिआ निजेजळ ॥ अवघ्या ह्मणे कौरव पाळ
शंखापांटिसं पादि ॥ ३३ ॥ उबगचितोतेन मानुन ॥ सेव सिसादरदु
र्योधिन ॥ हे देखोनि ऋषिचे मन ॥ सप्रसंन्न सकृत्ति ॥ ३४ ॥ ह्मणे उत
र लासि माझि पाकसि ॥ आतां [illegible] न रूपसि ॥ मग ह्मणे इद्रि
तमानसि ॥ मागमातेनरें द्र ॥ ३[illegible] पुनबोले कैरव पाळे ॥ दुराशा
बाळे बहुकाळ ॥ मासासंकल्प [illegible] ळासफळ ॥ मिसांगेन यापरि
३६ ॥ अहेनवनिकुंतिसुत ॥ राहिले असति द्रौपदि सहित ॥ सुर्य
प्रसादे असंख्यात ॥ ऋषिपाळिन अंन्नदाने ॥ ३७ ॥ लोटलिया अ

"Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

धरात्रि ॥ भोजनसारिद्रोपहिंसति ॥ घालि घोलानि पालुष्यि नि
द्राकरिसंतोश ॥ ३६ ॥ लक्ष सिष्या सहित जाणा ॥ तक्राळिजावे अ
दैतवना ॥ उद्धुनिकुंतिच्यानंदना ॥ इछाभोजन मागावे ॥ ३७
काळि अनुमान करिला धर्म ॥ ... निकरावा भस्म ॥ ऐसा
माझा पुर्वकाम ॥ कल्मद मेघुर ... ॥ ३८ ॥ अवस्य ह्मण तपस्वि
राज ॥ ह्मणे हे सहज आमुचे का ... ॥ धर्म छिळावयाचि पेंज ॥ ४
अंगिकारिलि कोपिष्ठ ॥ ३९ ॥ असंख्यात ऋषि निघाले पंक्ति वना
वातलब धरात्रि ॥ गर्जानि टाळियापिटिनि ॥ हर हर हरशा
Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "Joint project of the

(6A)

ह्ये करूनिया ॥ ४० ॥ जाग्रत नहोवो नि कुंतिसुत ॥ संन्मुख धाविन्न
ला बंधु संक्षित ॥ नमस्कारो नि रूषि समस्त ॥ कुशासनि बैसविले ॥
४१ ॥ चरणक्षाळना म्यानवि ... रूषि बोलउता वेळ ॥ पोटि
क्षुधेच्या क्षुधानळ ॥ उपचार का ... उति ॥ ४२ ॥ भोजन करावे
याचे उति ॥ पंथ लाटला स ... मार्गि मावळला गभस्ति ॥
निशाजालियावया ॥ ४३ ॥ बोलता अवकाश नाहि म्हा ह्या ॥ इछा
भोजन देइ धर्मा ॥ परेअवलोकानि भिमा ॥ द्रौपदि उपाहिले ॥ ४४
नमस्कारानि रूषिचरणा ॥ द्रौपदि म्हणे जा वेम्याना ॥ भुकेले ति

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(७)

भोजणा ॥ सिघ्रआलेपाहिजे ॥ ४५ ॥ ऐसेऐकोनि द्रौपदिच्या व
चना ॥ न्युयुतसंख्याब्राह्मणा ॥ घेवोनि भागिरथिच्याम्नाना ऋषि
गेलेलगबगा ॥ ४६ ॥ सोवळियादेव[illegible]त्र ॥ साळिग्राम तर्पणपात्र
आसनरुद्राक्षमाळासुत्रे ॥ कुमं[illegible]स्तके ॥ ४७ ॥ दिवसासके
मेसारिले ॥ संध्याम्नानमा[illegible]पकलयतसावाटिले ॥ अंब
पात्रिपाहिजे ॥ ४८ ॥ स्वल्पविलंब[illegible]तेथे ॥ शाद्द नेठवावाआ
मुते ॥ निकलणा नियाहाते ॥ जाजाह्मण तिपाउव ॥ ४९ ॥ ऐसघा
लो नियाअठक ॥ म्नानागेलेरुास शीघ्र कठक ॥ धर्मपोटिच्या ॥५॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

धिवदल ॥ चिंताज्वरे तापला ॥ ५० ॥ द्रौपदि लक्षण स्वस्तरायां ॥ आ
ठवि स्त्रिलक्षाचि यापापाया ॥ हानि निधानु अस ताबाया ॥ दैन्यका
सियाक ल्मिसि ॥ ५१ ॥ पशा व रिमानियाकोटि ॥ नामे पळेति बा
रावाटि ॥ स्मरतापा वळज [illegible] ॥ अंक्र देउ रूशिने ॥ ५२ ॥
मगहस्तपाद प्रक्षाळुनि [illegible] लिवे दावनि ॥ दारिके स्तुब
द्धपाणि ॥ स्तवन करि ल्हा [illegible] ॥ भुतिझउपिला पंचाक्षरि
शास्त्र परिजि जे कोढिल्याचा रि ॥ बाणवशाविहोतावेरि कव
चअं गिरु रजे ॥ ५४ ॥ दुःको किसविजे अंन्नदाना ॥ तारके

"Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai"

केवळि जपुरि बुंउता ॥ तुंआम्हुने नेविभ्रनें ना संरक्षिता संकटि ॥

५५ ॥ नोकोपा नसंमुखोदरि ॥ विवरभसावेजळेना जोहरि स

र्पलागल्याधन्वंतरि ॥ तेविठ्ठुहरि [illegible] सि ॥ ५६ ॥ किटकपक्षि

णिनदिन ॥ संकटिरक्षि सिवि [illegible] मरण ॥ आम्हुनेरक्षिसिकेशि

णा ॥ योजमानिसांगपा ॥ ५७ ॥ [illegible] केदमाजिभ्रमरलुउदक ॥ त

यातकि प्रजळि लापावका [illegible] मंउक्कबाळक लाहालकि

लागेले ॥ ५८ ॥ तेसंस्कारवदेकुलुक्लुता ॥ तकि धउकेला हुताश ॥ ६

न उदकंअकुमाळ नोहेउहमि ॥ तेण विसर्मीसमस्ता ॥ ५९ ॥ या

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

पर्वताग्रीं आप जळती कोरे ॥ परि सितळे तानपालटे ॥ तव आकाश
वाणि म्हणे नेटें ॥ गगनादरि हि सरलि ॥ ८० ॥ तव बिडुलें दोनिया
जळ ॥ कडोंकडा मंडुकें बाळ ॥ [illegible] केता पलना काळ ॥ हा निश्चया
जाणपा ॥ ८१ ॥ तव बिडुलें [illegible] हेन ॥ पाहाति मंडुके बाळ
कसान ॥ तेमुखें स्मरे कृष्ण [illegible] विस्मित जन परिसति ॥ ८२
विह्मु विमान पवोनि पा [illegible] केला दिव्य देहि ॥ तो वसवि
लावे कुंठ गेलि ॥ कृष्मा तुं बा कोते के ॥ ८३ ॥ कुढे विकुरें गमाहाव
नि ॥ हुरु कर्मे पउला व्यसनि ॥ बाणलावा नियागुणि ॥ काळमा

(९)

घे कोंडिला ॥ ६४ ॥ उभयपभागि पाश ग्रेणि ॥ पाटिपट विंला वउवा
क्षि ॥ असो दिशा रोधील्या थ्यानि ॥ सांबाणि दरुशाणि मारावया ॥ ६५
हरणि सप्रसुत काळग्रास ॥ आ[illegible]ला तान राकेपंथ ॥ पाउसे रि
चपिपा टान ॥ मोहे कें टिसो ब[illegible]ध ॥ कुरंग भ्रणे कमकापति
धावे पाव यष्मा कांति ॥ कठ[illegible]न ठपासु ति ॥ महा[illegible] अरि ह
वारिले ॥ ६७ ॥ विंधी नासिन तुटल मुदि ॥ धुम्रकों दंल्या बिकळ ॥ ७
पाटि ॥ सश्वाळप कनाल यापागि ॥ स्वान गेले दरुशा दिशा ॥ ६८
ज्या केजकाल्या पाश ग्रेणि ॥ अकाळ रहिने शामतळाव नि ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

कुंरगकुंटबेसीवनि जानाजाला संतोश ॥ ६९ ॥ भारथिसेना मेउ
ळिचें उ ॥ यामाजि पडिले पक्षिणिचे अंउ ॥ तेणे आश्रय पकरूनि
स्राउ ॥ रुक्मस्तवन मांडिले ॥ ७० ॥ रथि पार्थाच्या सारथि ॥ अ
वलोकोनि लक्ष्मीपति ॥ ल[illegible]ा छपामुर्ति ॥ बोके मासेवा
चवि ॥ ७१ ॥ स्तवनि तोषला [illegible]ता ॥ कुंजरघंटा पडिलि वरु
ति ॥ अक्षय गरुडाचे आकोति ॥ [illegible] केले पक्षिया ॥ ७२ ॥ तपा
माजि चाराजिवन ॥ देवोनि वाचविला साचा प्राण ॥ पाद पक्ष
चंचु नयन ॥ अवयव पुर्णला घेले ॥ ७३ ॥ घंटा उचलिता भु.पा

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

ळगणि ॥ पक्षिउउनि संचरति गंगनि ॥ पक्षिणि बाळका स्नेह
मिळनि ॥ केलि तुंवा गोविंदा ॥ ७४ ॥ कोठि कृत्रिम वेश नटि ॥ रा
जकंन्या भोगि कपटि निर्वाणि मांउल्या संकटि ॥ म्हणे धाव त्रि
कूटस्मा ॥ ७५ ॥ तपालागि हा[illegible] रूप अंगि जाला सिसा
चे रूप ॥ पांउवाचा लरि माय[illegible] हा प्रसीद्ध लोकीं की ॥ ७६
कपोता कपोतिनि तरुवरि ॥ [illegible] धरले क्षिशरि [illegible] साणा फेरे
घालिवरि ॥ सउपोनि मारावया ॥ ७७ ॥ कपोति म्हणे त्रिकूटस्मा
कूपने रक्षि आमुच्या प्राणा ॥ करुणा येता जगजिवणा ॥ त्याजके

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

सवर्तलि ॥ ७८ ॥ व्याधमागे ठेविता चरण ॥ सर्पदंश लागे वाणि दं
शण ॥ हाति चा निष्ठला बाण लेणे ससाणा मारिला ॥ ७९ ॥ क
पाताक पाति हा घेउन ॥ सुखरावित्ति निर्भय मणे ॥ ऐसे कल्मा
तु सेकरण उंचनिचासा रि [illegible] ॥ समुद्र डोरि लिपक्षि कुळे ॥
उदरि धरिले त्याचे बाळे [illegible] पाचि [illegible] पाळे ॥ आउपउ
लि गरुडाने ॥ ८१ ॥ मधुमर्दन [illegible] हरि ॥ सहरगरुडाने पा
चारि तो व्हेण समुद्रे मजवरि ॥ बळकार पैकेला ॥ ८२ ॥ मास्वि
हरलि बाळके ॥ सवाकरु कवणा मुखे ॥ अपमान भोगुनि रंके [illegible] या

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

यजिने संसारि ॥ ८३ ॥ सिक्ष्याकरसिजरिसांगरि ॥ तरिचतुसा
सेवकखरा ॥ यरवीलुजमजदातारा ॥ संमघछाहिअसेना ॥ ८४
देवेपाचारिलासिंधु ॥ नावरेयेन[illegible]सिचाक्रोधु ॥ वेगिकेरावया
वधु ॥ सुदर्सनपरजाकिले ॥ [illegible] मुद्ररिघानिपाशारण ॥ बा
ळकेदिधलिआनुन ॥ लवकि[illegible]संतोशान ॥ विभुसेवला
गला ॥ ८६ ॥ अंबरूषिधवप्रे[illegible] ॥ गजेंद्रगणिकारुक्मांगद
अजामेळधर्मव्याध ॥ विदुरादिकेरक्षिले ॥ ८७ ॥ हपवाउज
गप्रसिद्ध ॥ साचामजनावेउविनोद ॥ हिनेनारिलेजगप्रसि

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com